| 16 | σοντο επι τη διδαχη | 16 |
|----|-------------------------------------|----|
| 17 | αυτου οτι εν εξου- | 14 |
| 18 | σια ην ο λογος αυτου | 16 |
| 19 | ³³ και εν τη συναγωγη | 16 |
| 20 | ην ανθρωπος εχων | 14 |
| 21 | πνευμα δαιμονιου | 15 |
| 22 | ακαθαρτου και ανε- | 15 |
| 23 | κραξεν φωνη μεγαλη | 17 |
| 24 | ³⁴ εα τι ημιν και σοι | 14 |
| 25 | τυ ΝΑΖαρη[νε ηλ- | 11 |
| 26 | θεΣ ΑΠο[λεσαι ημας | 15 |
| 27 | οιΔΑ Σε [τις ει ο αγιος | 17 |
| 28 | τΟΥ ΘΥ [³⁵ και επετιμη- | 15 |
| 29 | σΕΝ Αυ[τω ο ις λε- | 12 |
| 30 | γΩ <mark>Ν Φ</mark> [ιμωθητι | 11 |
| 31 | κΑΙ εξ[ελθε απ αυ- | 13 |
| 32 | τΟΥ κ[αι ριψαν αυ- | 13 |
| 33 | τΟΝ Τ[ο δαιμονιον | 14 |
| 34 | εΙΣ Το [μεσον εξηλθ- | 15 |
| | | |